वर्तमान पीढ़ी को संस्कार सिखाने के लिए पहले उन संस्कारों को अपने व्यवहार में लाना ज़रूरी

दिनांक 23 फरवरी, 2018 को अग्रवाल महाविद्यालय, बल्लबगढ. में 'भारतीय संस्कृति एवं संस्कार' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि श्री पवन जिन्दल जी (हरियाणा प्रान्त राष्ट्र संघचालक), अन्य संघ सदस्यों में श्री गंगा शंकर मिश्र (प्रान्त सम्पर्क प्रमुख), श्री देव प्रसाद भारद्वाज (प्रान्त कार्यवाह), श्री राकेश त्यागी (विभाग कार्यवाह), श्री दीप भाटिया, अग्रवाल विद्या प्रचारिणी सभा के प्रधान श्री देवेन्द्र गुप्ता और महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. कृष्णकान्त गुप्ता जी उपस्थित रहे। संगोष्ठी का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा दीपशिखा प्रज्वलन व अतिथि सत्कार के साथ हुआ। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. कृष्णकान्त गुप्ता जी ने सर्वप्रथम संघ सदस्यों का अग्रवाल विद्या प्रचारिणी सभा तथा उनके कार्यकलापों से अवगत कराया। प्राचार्य जी ने अपने वक्तव्य द्वारा संघ सदस्यों को विश्वास दिलवाया कि भारतीय संस्कृति और संस्कार जैसे विषयों को सीखने में हम अग्रगण्य हैं और आगे भी रहेंगे। तदनन्तर मुख्य अतिथि हरियाणा प्रान्त राष्ट्र संघचालक श्री पवन जिंदल जी ने अपने वक्तव्य में छात्रों को सम्बोधित करते हुए भारतीय संस्कृति के सोलह (16) संस्कारों से अवगत कराया तथा साथ ही संस्कारों को व्यवहार में लाना और संयुक्त परिवार की ओर लौटने का आग्रह किया। **'वसुधैव कुटुम्बकम्'** को परिभाषित करते हुए साथ रहने को श्रेष्ठ संस्कार और मजबूत राष्ट्र की आधार शिला बताया। अग्रवाल विद्या प्रचारिणी सभा के प्रधान श्री देवेन्द्र गुप्ता जी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन करते हुए विश्वास दिलाया कि हम संस्कारों को व्यवहार में लाएंगे और अपने राष्ट्र और संस्कृति को मजबूत करेंगे। अन्त में सभी संघ सदस्यों का स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। मंच संचालन हिन्दी विभागाध्यक्षा श्रीमती किरण आनन्द ने किया।